चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 08 सितंबर 2026, अंक –352.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

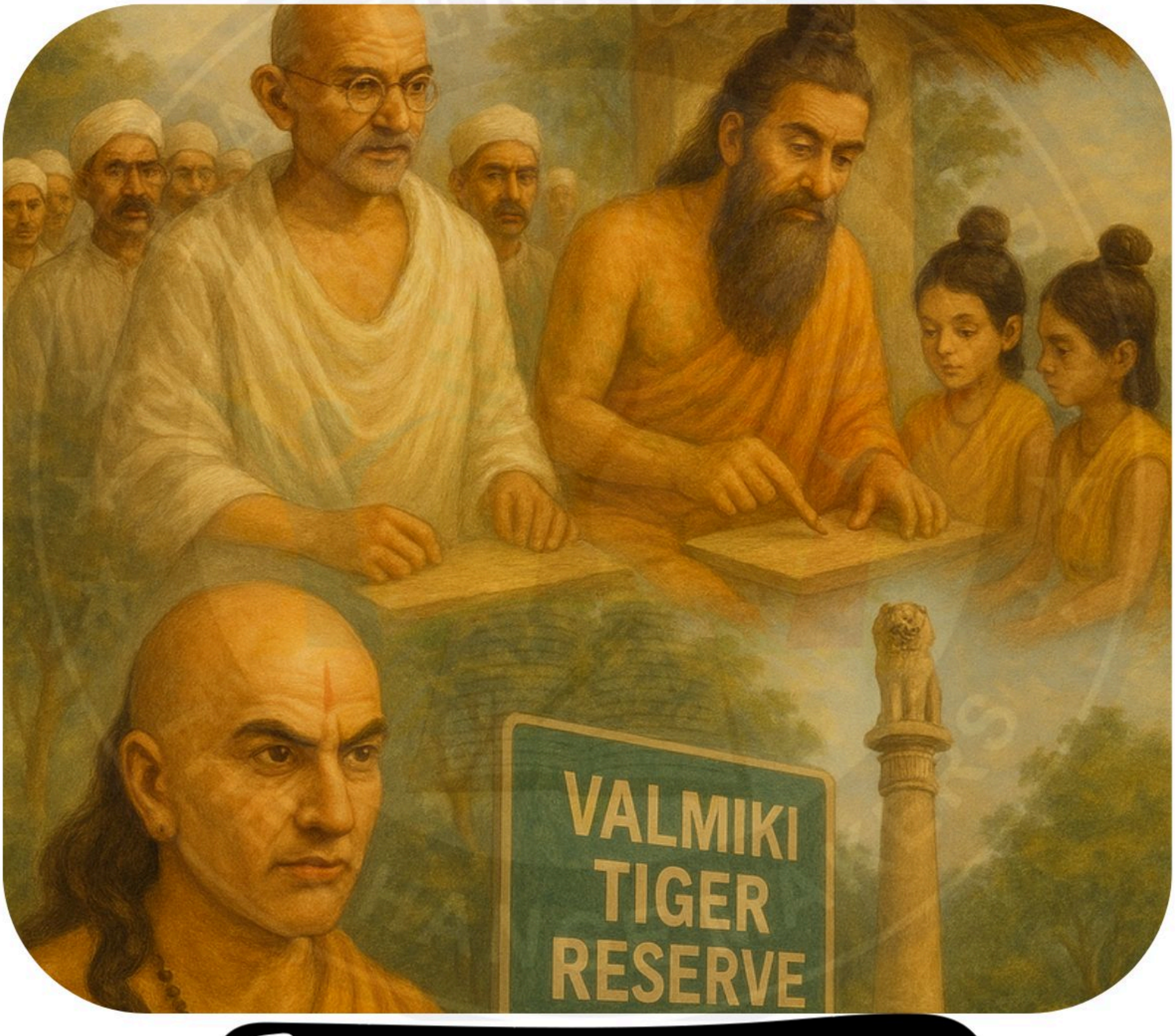

"अहिंसा परमो धर्मः" (अहिंसा ही परम धर्म है)।

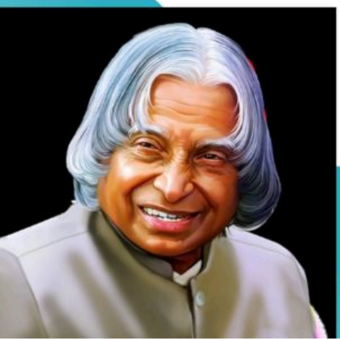

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

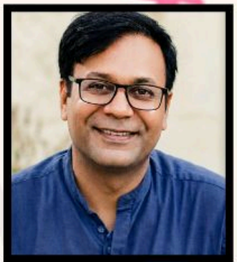

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. स्लोवाकिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: ब्रातिस्लावा
प्रश्न 2. विश्व शतरंज चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय कौन थे?
उत्तर: विश्वनाथन आनंद
प्रश्न 3. 'चेराव' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: मिजोरम
प्रश्न 4. रोमन अंक 'XIV' का मान कितना है?
उत्तर: 14
प्रश्न 5. बिहार के कुम्हरार में प्रसिद्ध 80-स्तंभों वाला सभागार किस प्राचीन नगर के अवशेषों से संबंधित है?
उत्तर: पाटलिपुत्र
प्रश्न 6. लाल पांडा मुख्य रूप से किस प्रकार का जीव है?
उत्तर: स्तनधारी
प्रश्न 7. सेफ्टी पिन के आविष्कार से किसका नाम जुड़ा है?
उत्तर: वाल्टर हंट
प्रश्न 8. राज्यसभा में किसी सदस्य का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?
उत्तर: 6 वर्ष
प्रश्न 9. 'जो सब जगह विद्यमान हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: सर्वव्यापी
प्रश्न 10. पौधों में बीज से नया पौधा बनने की शुरुआत किस प्रक्रिया से होती है?
उत्तर: अंकुरण

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Airport - एयरपोर्ट - हवाई अड्डा
2️⃣ Aircraft - एयरक्राफ्ट - विमान
3️⃣ Baggage - बैगेज - सामान / लगेज
4️⃣ Passport - पासपोर्ट - पारपत्र
5️⃣ Voyage - वॉयेज - समुद्री यात्रा
6️⃣ Compass - कम्पास - दिशासूचक यंत्र
7️⃣ Map - मैप - नक्शा / मानचित्र

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "He/She is going to + V1"
(वह ... करने वाला/वाली है।)

वह आज स्कूल जाने वाला है। – He is going to go to school today.
वह एक चित्र बनाने वाली है। – She is going to draw a picture.
वह अपने कमरे की सफाई करने वाला है। – He is going to clean his room.
वह अपनी माँ की मदद करने वाली है। – She is going to help her mother.
वह एक कविता सुनाने वाला है। – He is going to recite a poem.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 8 सितंबर को यूनेस्को (UNESCO) द्वारा समाज में व्यक्तिगत और सामूहिक सशक्तिकरण हेतु साक्षरता के महत्व पर बल देने के लिए कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस (International Literacy Day)
व्याख्या: यूनेस्को द्वारा 26 अक्टूबर 1966 को 8 सितंबर को 'अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस' घोषित किया गया था, जिसे पहली बार 1967 में मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य व्यक्तियों, समुदायों और समाजों को गरिमा, मानवाधिकार और सामाजिक विकास के बुनियादी आधार के रूप में साक्षरता के प्रति जागरूक करना है। भारत में साक्षरता दर बढ़ाने और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (FLN) को सुदृढ़ करने हेतु 'उल्लास - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' और 'निपुण भारत मिशन' संचालित किए जा रहे हैं, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के लक्ष्यों के अनुरूप हैं।
संदर्भ: UNESCO Official Literacy Day Portal; Ministry of Education (Shiksha Mantralaya) Guidelines;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत के 'प्रोजेक्ट चीता' के दूसरे चरण के अंतर्गत कूनो के अतिरिक्त किस नए संरक्षित क्षेत्र में चीतों के दूसरे पर्यावास का सफल विस्तार किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: गांधी सागर अभयारण्य (मध्य प्रदेश)
व्याख्या: सितंबर 2026 में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों के बढ़ते कुनबे के प्रबंधन हेतु मध्य प्रदेश के मंदसौर और नीमच जिलों में स्थित 'गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य' में चीतों को सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया गया। यह क्षेत्र शुष्क पर्णपाती वनों और खुले घास के मैदानों से युक्त होने के कारण चीतों के शिकार और प्राकृतिक अनुकूलन के लिए आदर्श है। यह परियोजना भारत में ऐतिहासिक रूप से विलुप्त हो चुके शीर्ष शिकारी (Top Predator) को पुनः स्थापित कर पारिस्थितिक संतुलन बहाल करने का महत्वपूर्ण कदम है।
संदर्भ: National Tiger Conservation Authority (NTCA) Press Release September 2026; Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEFCC);

प्र.3. आधुनिक हिंदी काव्य जगत में प्रकृति के सुकुमार कवि कहे जाने वाले सुमित्रानंदन पंत की वह कौन-सी अमर काव्य-कृति है, जिसके लिए उन्हें वर्ष 1968 में हिंदी भाषा का पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: चिदंबरा (1958)
व्याख्या: 'चिदंबरा' छायावादी युग के प्रमुख स्तंभ सुमित्रानंदन पंत का एक प्रसिद्ध कविता-संग्रह है, जिसका प्रकाशन 1958 में हुआ था। इसमें कवि की युगांतकारी चेतना, प्रकृति-प्रेम, रहस्यवाद, मानवतावादी दृष्टिकोण और सौंदर्यबोध का चरमोत्कर्ष दिखाई देता है। वर्ष 1968 में इस कृति के लिए पंत जी को हिंदी साहित्य का प्रथम 'भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार' प्रदान किया गया। 'चिदंबरा' में संकलित कविताएं मानव आत्मा और प्रकृति के परस्पर तादात्म्य को अत्यंत कोमल, संगीतात्मक और परिष्कृत खड़ी बोली में अभिव्यक्त करती हैं।
संदर्भ: सुमित्रानंदन पंत — 'चिदंबरा', राजकमल प्रकाशन; भारतीय ज्ञानपीठ अभिलेख 1968; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1, काव्य खंड).

प्र.4. 1970 के दशक में उत्तराखंड के चमोली जिले में वनों की कटाई रोकने के लिए महिलाओं द्वारा पेड़ों से चिपककर शुरू किया गया वह कौन-सा अहिंसक जन-आंदोलन था, जिसका नेतृत्व सुंदरलाल बहुगुणा और गौरा देवी ने किया था? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: चिपको आंदोलन (1973)
व्याख्या: चिपको आंदोलन 1973 में उत्तराखंड (तत्कालीन उत्तर प्रदेश) के गढ़वाल हिमालय के चमोली जिले के रेणी गाँव में आरंभ हुआ था। जब व्यावसायिक ठेकेदारों ने वनों को काटने का प्रयास किया, तो गौरा देवी के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं ने पेड़ों को अपनी बाहों में भरकर (चिपककर) उन्हें कटने से बचाया। इस आंदोलन को पर्यावरणविद् सुंदरलाल बहुगुणा और चंडी प्रसाद भट्ट ने राष्ट्रव्यापी दिशा दी। बहुगुणा जी ने "पारिस्थितिकी ही स्थायी अर्थव्यवस्था है" का विश्वप्रसिद्ध नारा दिया। इस आंदोलन ने भारत में वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के निर्माण और हिमालयी क्षेत्रों में वनों की कटाई पर 15 वर्षों के प्रतिबंध की नींव रखी।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10 (समकालीन भारत-2), Ch 2 "वन एवं वन्य जीव संसाधन", p. 20–22;

प्र.5. 1855-56 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और स्थानीय महाजनों के शोषणकारी अत्याचारों के विरुद्ध बिहार-झारखंड के दामिन-ए-कोह (संथाल परगना) क्षेत्र में हुआ वह कौन-सा व्यापक जनजातीय विद्रोह था, जिसका नेतृत्व सिदो और कान्हू ने किया था? (इतिहास)
उत्तर: संथाल हूल (संथाल विद्रोह)
व्याख्या: संथाल विद्रोह (हूल) 30 जून 1855 को भग्नाडीह गाँव से प्रारंभ हुआ था, जिसका नेतृत्व चार संथाल भाइयों — सिदो, कान्हू, चांद और भैरव ने किया था। स्थायी बंदोबस्त (1793) के बाद ब्रिटिश राजस्व व्यवस्था, महाजनों (दिक्कू) के अत्यधिक ब्याज, पुलिसिया दमन और वन अधिकारों के हनन से तंग आकर हजारों संथालों ने पारंपरिक हथियारों (धनुष-बाण) के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी के विरुद्ध खुला सशस्त्र विद्रोह कर दिया। यद्यपि अंग्रेजों ने क्रूर सैन्य कार्रवाई से इस विद्रोह को दबा दिया, परंतु इसके परिणामस्वरूप ब्रिटिश सरकार को 'संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम' (SPT Act) बनाना पड़ा और 'दामिन-ए-कोह' क्षेत्र को संथाल परगना जिले के रूप में पुनर्गठित करना पड़ा।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 4 "आदिवासी, दिकू और एक स्वर्ण युग की कल्पना";

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. ओडिशा के पूर्वी तट पर दया नदी के मुहाने पर स्थित भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की लैगून झील कौन-सी है, जिसे 1981 में भारत का पहला रामसर स्थल घोषित किया गया था? (भूगोल)
उत्तर: चिल्का झील (Chilika Lake)
व्याख्या: चिल्का झील ओडिशा राज्य में बंगाल की खाड़ी के समानांतर स्थित भारत की सबसे बड़ी तटीय लैगून (खारे पानी की झील) है, जिसका कुल क्षेत्रफल शीतकाल में लगभग 1,100 वर्ग किलोमीटर तक विस्तृत हो जाता है। यह झील कैस्पियन सागर, बैकाल झील और साइबेरिया से आने वाले लाखों प्रवासी पक्षियों का प्रमुख शीतकालीन पर्यावास है। यहाँ का नलबान द्वीप एक प्रसिद्ध पक्षी अभयारण्य है। यह झील संकटग्रस्त 'इरावदी डॉल्फिन' के संरक्षण का भी प्रमुख केंद्र है। समृद्ध जैव-विविधता और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के कारण इसे वर्ष 1981 में रामसर सम्मेलन के तहत भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता मिली थी।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22–24;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को संपूर्ण भारत के राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक 'समान नागरिक संहिता' (Uniform Civil Code - UCC) सुनिश्चित करने का निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 44 (राज्य के नीति निदेशक तत्व)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में सन्निहित राज्य की नीति के निदेशक तत्वों (DPSP) के अंतर्गत 'अनुच्छेद 44' यह प्रावधान करता है कि "राज्य भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता (UCC) प्राप्त कराने का प्रयास करेगा।" इसका तात्पर्य विवाह, तलाक, गुजारा भत्ता, गोद लेने और उत्तराधिकार जैसे वैयक्तिक मामलों में सभी धर्मों के नागरिकों के लिए एक समान धर्मनिरपेक्ष कानून लागू करना है। यद्यपि निदेशक तत्व न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय (न्यायसंगत) नहीं हैं, परंतु संविधान का अनुच्छेद 37 इन्हें देश के शासन में मूलभूत सिद्धांत घोषित करता है।
संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 44; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 Fundamental Rights & DPSPs, p. 43–46;

प्र.8. मानव शरीर में वृक्क (गुर्दे/Kidney) की वह मूलभूत सूक्ष्म संरचनात्मक और क्रियात्मक इकाई कौन-सी है, जो रक्त का निस्यंदन (Filtration) कर मूत्र निर्माण का कार्य करती है? (विज्ञान)
उत्तर: नेफ्रॉन (वृक्काणु / Nephron)
व्याख्या: मानव शरीर में प्रत्येक वृक्क (किडनी) में लगभग 10 से 12 लाख सूक्ष्म निस्यंदन इकाइयाँ होती हैं, जिन्हें 'नेफ्रॉन' (वृक्काणु) कहा जाता है। प्रत्येक नेफ्रॉन में दो प्रमुख भाग होते हैं: 'बोमन संपुट' (Bowman's Capsule), जिसमें केशिकाओं का एक गुच्छा (ग्लोमेरुलस) होता है, और एक लंबी नलिकाकार संरचना। जब उच्च दाब पर रक्त ग्लोमेरुलस से गुजरता है, तो यूरिया, यूरिक अम्ल, ग्लूकोज, लवण और अतिरिक्त जल छनकर नलिका में जाते हैं। इसके पश्चात नलिका के विभिन्न भागों (हेनले लूप आदि) में ग्लूकोज, अमीनो अम्ल और आवश्यक जल का चयनात्मक पुनरावशोषण (Selective Reabsorption) होता है और शेष अपशिष्ट पदार्थ मूत्र के रूप में उत्सर्जित होते हैं।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 "जैव प्रक्रम" (Life Processes - Excretion), p. 120–123;

प्र.9. 15वीं शताब्दी में महान वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव द्वारा असम के सत्रों (मठों) में भक्ति आंदोलन के प्रचार हेतु विकसित किया गया शास्त्रीय नृत्य कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: सत्रिया नृत्य (Sattriya)
व्याख्या: सत्रिया नृत्य असम की एक समृद्ध और पावन शास्त्रीय नृत्य परंपरा है, जिसकी शुरुआत 15वीं शताब्दी ईस्वी में महान वैष्णव संत, समाज सुधारक और कवि श्रीमंत शंकरदेव ने की थी। उन्होंने 'एकशरण नाम-धर्म' के प्रसार और वैष्णव मठों (सत्रों) में आध्यात्मिक साधना हेतु इस नृत्य-शैली का सृजन किया। मूल रूप से यह 'अंकिया नाट' और 'भाओना' (धार्मिक नाटकों) के अंग के रूप में सत्रों के भीतर केवल पुरुष भिक्षुओं (भकतों) द्वारा प्रस्तुत किया जाता था। इसमें खोल (मृदंगम जैसा वाद्य), झांझ (मंजीरा) और बोरगीत (शंकरदेव के पद) की संगति होती है। संगीत नाटक अकादमी ने वर्ष 2000 में इसे भारत के 8 प्रमुख शास्त्रीय नृत्यों में शामिल किया।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (An Introduction to Indian Art Part-1), Ch 8;

प्र.10. बिहार के गया जिले में निरंजना (फल्गु) नदी के तट पर स्थित वह कौन-सा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, जहाँ 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में राजकुमार सिद्धार्थ को पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान (बुद्धत्व) प्राप्त हुआ था? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: महाबोधि मंदिर परिसर (बोधगया)
व्याख्या: महाबोधि मंदिर बिहार के गया जिले में बोधगया में स्थित बौद्ध धर्म का सबसे पवित्र तीर्थस्थल है। इसी पावन स्थल पर भगवान बुद्ध को एक पीपल के वृक्ष (बोधि वृक्ष) के नीचे कठोर तपस्या के पश्चात परम ज्ञान (बुद्धत्व) प्राप्त हुआ था। सम्राट अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में यहाँ प्रथम मंदिर और वज्रासन (हीरा सिंहासन) का निर्माण कराया था। वर्तमान ईंट-निर्मित 55 मीटर ऊंचा भव्य महाबोधि मंदिर गुप्त काल (5वीं-6वीं शताब्दी) की स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके गर्भगृह में भूमिस्पर्श मुद्रा में भगवान बुद्ध की विशाल स्वर्णमयी प्रतिमा स्थापित है। वर्ष 2002 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
संदर्भ: Archaeological Survey of India (ASI) Patna Circle; UNESCO World Heritage List Records;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W1 – डायरिया एवं ORS प्रशिक्षण) के अनुसार यदि किसी छात्र को उल्टी-दस्त हो और बाज़ार का ORS पैकेट तुरंत उपलब्ध न हो, तो घर में सुरक्षित 'घरेलू पेय' (Home Available Fluids) के रूप में क्या-क्या दिया जा सकता है और किन पेयों से बचना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: दाल का पानी, चावल का मांड़, छाछ, नारियल पानी; बाजारी कोल्ड ड्रिंक्स और डिब्बाबंद जूस से बचें

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W1: डायरिया एवं ORS प्रशिक्षण) के अनुसार, निर्जलीकरण (Dehydration) की आपात स्थिति में यदि मानक ओआरएस पैकेट उपलब्ध न हो, तो घर में उपलब्ध सुरक्षित घरेलू तरल पदार्थ (Home Available Fluids - HAF) तुरंत देने चाहिए: (1) हल्के नमक युक्त दाल का पानी, चावल का मांड़ (पेज), पतली छाछ/मट्ठा, नारियल पानी और सादा नींबू-पानी; (2) बच्चे को सामान्य दिनों की तुलना में अधिक बार स्तनपान और तरल भोजन देना जारी रखें; (3) अत्यधिक मीठे पेय, बाजारी कोल्ड ड्रिंक्स, डिब्बाबंद कृत्रिम जूस और चाय-कॉफी कदापि न दें, क्योंकि इनमें शर्करा की अत्यधिक सांद्रता (Hyper-osmolality) आंतों से और अधिक पानी खींच लेती है जिससे दस्त और निर्जलीकरण और अधिक तीव्र हो जाता है।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W1 – "डायरिया एवं ORS बनाने का कौशल एवं प्रशिक्षण"

प्र.12. एक फल विक्रेता 10 रुपये में 11 केले खरीदता है और उन्हें 11 रुपये में 10 केले की दर से बेच देता है। बताइए इस पूरे सौदे में उसे कुल कितने प्रतिशत का लाभ या हानि हुई? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 21% लाभ

व्याख्या: यह क्रय-विक्रय और लाभ-हानि प्रतिशत पर आधारित एक अत्यंत रोचक एवं व्यवहारिक गणितीय प्रश्न है। गणना को सरल बनाने हेतु केलों की संख्या को 11 और 10 के ल.स. (LCM) यानी 110 केले मान लेते हैं। 11 केलों का क्रय मूल्य = 10 रुपये, अतः 110 केलों का कुल क्रय मूल्य (CP) = (10 / 11) * 110 = 100 रुपये। 10 केलों का विक्रय मूल्य = 11 रुपये, अतः 110 केलों का कुल विक्रय मूल्य (SP) = (11 / 10) * 110 = 121 रुपये। चूँकि विक्रय मूल्य (121 रुपये) क्रय मूल्य (100 रुपये) से अधिक है, अतः लाभ = 121 - 100 = 21 रुपये। लाभ प्रतिशत = (लाभ / CP) * 100 = (21 / 100) * 100 = 21%। अतः फल विक्रेता को पूरे सौदे में कुल 21% का शुद्ध लाभ हुआ।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 "राशियों की तुलना" (लाभ और हानि प्रतिशत), p. 165–170;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

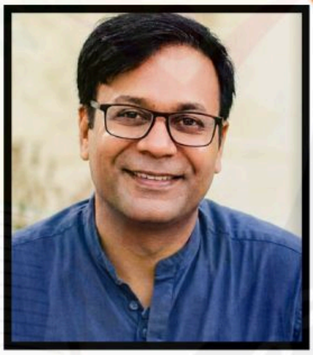

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Nascent (नैसेंट) = Emerging (इमर्जिंग) = नवोदित / प्रारंभिक अवस्था में
   Antonym – Mature (मैच्योर) = परिपक्व / विकसित
2. Obsolete (ऑब्सलीट) = Outdated (आउटडेटेड) = अप्रचलित / पुराना पड़ चुका
   Antonym – Modern (मॉडर्न) = आधुनिक / नवीन
3. Pugnacious (पग्नेशस) = Combative (कम्बैटिव) = झगड़ालू / लड़ाकू
   Antonym – Peaceful (पीसफुल) = शांतिप्रिय / शांत
4. Sycophant (सिकॉफैंट) = Flatterer (फ्लैटरर) = चापलूस / खुशामदी व्यक्ति
   Antonym – Critic (क्रिटिक) = आलोचक
5. Untenable (अनटेनबल) = Indefensible (इन्डिफेन्सिबल) = असमर्थनीय / जिसका बचाव या समर्थन न किया जा सके
   Antonym – Defensible (डिफेन्सिबल) = समर्थनीय / बचाव योग्य

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Ports, Shipping and Waterways Notifies 'Green Tug Transition Programme 2.0' to Decarbonize Major Port Ecosystems.
हिन्दी अनुवाद: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने प्रमुख बंदरगाह पारिस्थितिकी तंत्र को कार्बन-मुक्त करने के लिए 'हरित टग संक्रमण कार्यक्रम 2.0' अधिसूचित किया।
'हरित नौका' और 'मैरीटाइम इंडिया विजन 2030' के अंतर्गत केंद्र सरकार ने देश के सभी 12 प्रमुख बंदरगाहों पर पारंपरिक डीजल टग्स को चरणबद्ध तरीके से बैटरी-इलेक्ट्रिक और ग्रीन-मेथनॉल संचालित टग जहाजों में बदलने की समयसीमा तय की है। इसका उद्देश्य बंदरगाह संचालन में कार्बन उत्सर्जन को समाप्त करना और तटीय समुद्री पर्यावरण की रक्षा करना है।

English Headline: NITI Aayog Releases 'Composite District Health & Nutrition Delivery Index 2026', Highlighting Aspirational Districts.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने आकांक्षी जिलों को रेखांकित करते हुए 'समग्र जिला स्वास्थ्य एवं पोषण वितरण सूचकांक 2026' जारी किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी, संस्थागत प्रसव के शत-प्रतिशत लक्ष्य और अंतिम छोर तक फोर्टिफाइड पोषण आहार पहुंचाने के मामले में आकांक्षी जिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया है। रिपोर्ट में डिजिटल पोषण ट्रैकर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHCs) के आधुनिकीकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 10 आकांक्षी जिलों को विशेष प्रदर्शन अनुदान देने की सिफारिश की गई है।

English Headline: ISRO Successfully Validates Autonomous Laser Retro-Reflector Array Integration for Deep Space Trajectory Tracking.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने गहरे अंतरिक्ष प्रक्षेपवक्र ट्रैकिंग के लिए स्वायत्त लेजर रेट्रो-रिफ्लेक्टर ऐरे एकीकरण का सफल सत्यापन किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने यू. आर. राव उपग्रह केंद्र (URSC) में आगामी चंद्र और ग्रहीय अभियानों के लिए विकसित उच्च-सटीक ऑप्टिकल रिफ्लेक्टर पेलोड का सफल सिमुलेशन परीक्षण पूरा किया। यह तकनीक सब-मिलीमीटर स्तर पर अंतरिक्ष यान की दूरी और सटीक कक्षीय स्थिति मापने में आत्मनिर्भरता प्रदान करेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN Convention to Combat Desertification (UNCCD) Launches 'Global Drought Resilience Observatory & Early Warning Grid 2026'.
हिन्दी अनुवाद: मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD) ने 'ग्लोबल सूखा लचीलापन वेधशाला एवं पूर्व चेतावनी ग्रिड 2026' लॉन्च किया।
बॉन स्थित यूएनसीसीडी सचिवालय ने उपग्रह निगरानी और भू-स्थानिक डेटा के आधार पर वैश्विक स्तर पर सूखे के जोखिम का वास्तविक समय में आकलन करने वाला एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म पेश किया है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया के कृषि क्षेत्रों में सूखे की स्थिति उत्पन्न होने से तीन महीने पूर्व चेतावनी देकर खाद्य सुरक्षा संकट को टालना है।

English Headline: International Civil Aviation Organization (ICAO) Finalizes Binding Global Standards for Sustainable Aviation Fuel (SAF) Blending by 2030.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) ने 2030 तक सतत विमानन ईंधन (SAF) मिश्रण के लिए बाध्यकारी वैश्विक मानकों को अंतिम रूप दिया।
मॉन्ट्रियल में आयोजित विमानन पर्यावरण संरक्षण समिति (CAEP) के विशेष सत्र में सदस्य देशों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए जैव-ईंधन और सिंथेटिक विमानन ईंधन के 5% अनिवार्य मिश्रण का नियम पारित किया है। इस कदम से विमानन क्षेत्र से होने वाले वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।

English Headline: World Health Organization (WHO) Releases 'Global Antimicrobial Resistance Diagnostic and Surveillance Blueprint 2026'.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 'ग्लोबल रोगाणुरोधी प्रतिरोध नैदानिक एवं निगरानी खाका 2026' जारी किया।
जिनेवा में जारी इस बहुपक्षीय गाइडलाइन में अस्पताल-जनित संक्रमणों और दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया की त्वरित आणविक पहचान (Rapid Molecular Testing) के लिए नए मानक स्थापित किए गए हैं। डब्ल्यूएचओ ने विकासशील देशों में एंटीबायोटिक दवाओं के अनियंत्रित उपयोग पर रोक लगाने और राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के बीच डेटा-शेयरिंग तंत्र को मजबूत करने पर जोर दिया है।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Drone Promotion and Training Scheme 2026' for Precision Agriculture.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने सटीक कृषि के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-ड्रोन प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण योजना 2026' को मंजूरी दी।
राज्य में आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के उपयोग को गति देने और किसानों की लागत कम करने के उद्देश्य से यह योजना स्वीकृत की गई है। इसके तहत किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) और ग्रामीण कृषि स्नातकों को नैनो-उर्वरक और कीटनाशक छिड़काव हेतु ड्रोन खरीद पर 80% तक सब्सिडी दी जाएगी तथा राज्य के कृषि विज्ञान केंद्रों (KVKs) में निःशुल्क ड्रोन पायलट प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Fencing and Conservation Survey for Wetlands in Bagaha Eco-Belt.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने बगहा इको-बेल्ट में आर्द्रभूमियों के लिए जियो-फेंसिंग और संरक्षण सर्वेक्षण शुरू किया।
वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से सटे उत्तर-पश्चिमी तराई क्षेत्र में प्राकृतिक जल स्रोतों और आर्द्रभूमियों (Wetlands) के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-समर्थित जियो-फेंसिंग अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखना, बाढ़ जल के प्राकृतिक अवशोषण को बनाए रखना और इस संवेदनशील क्षेत्र में जलीय जैव विविधता का दस्तावेजीकरण करना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Badminton Contingent Clinches Mixed Doubles Title at BWF Super Series Tournament.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय बैडमिंटन दल ने बीडब्ल्यूएफ (BWF) सुपर सीरीज़ टूर्नामेंट में मिश्रित युगल खिताब अपने नाम किया।
विश्व बैडमिंटन सर्किट के कड़े फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने शानदार कोर्ट कवरेज और आक्रामक नेट प्ले का प्रदर्शन करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंदियों को सीधे सेटों में पराजित किया। यह खिताबी जीत आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए भारत की मजबूत दावेदारी को सिद्ध करती है।

English Headline: International Cricket Council (ICC) Formally Deploys Real-Time Ball-Tracking LiDAR Sensors for Ultra-Precise LBW Reviews.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने अति-सटीक एलबीडब्ल्यू समीक्षा के लिए रियल-टाइम बॉल-ट्रैकिंग लिडार (LiDAR) सेंसर को औपचारिक रूप से लागू किया।
मैदान पर अंपायरिंग निर्णयों को विवाद-मुक्त और त्रुटिहीन बनाने के उद्देश्य से आईसीसी ने तकनीकी नियमावली को अद्यतन किया है। विकेटों और बाउंड्री पर स्थापित लेजर-आधारित लिडार सेंसर गेंद की स्पिन, उछाल और प्रक्षेपवक्र का माइक्रो-सेकंड में विश्लेषण कर थर्ड अंपायर को त्वरित और स्पष्ट डेटा उपलब्ध कराएंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🌱 "शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों को रोशन करता है।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

शिक्षा का दीप

(अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस विशेष)

मंगलुरु के पास हरेकला गाँव के रहने वाले हरेकला हजब्बा एक साधारण व्यक्ति थे। बचपन में पढ़ने का अवसर नहीं मिला। छोटी उम्र से ही जीवन की जिम्मेदारियों ने उन्हें काम करने के लिए मजबूर कर दिया। बड़े हुए तो संतरे बेचकर परिवार चलाने लगे।

एक दिन वे सड़क किनारे संतरे बेच रहे थे। तभी एक विदेशी दंपती उनके पास आया। उन्होंने अंग्रेज़ी में संतरे की कीमत पूछी।

हजब्बा उनकी बात समझ नहीं सके।

वे कुछ क्षण चुप खड़े रहे। ग्राहक लौट गए, लेकिन वह छोटी-सी घटना उनके मन में गहरी उतर गई। उन्हें अपनी अशिक्षा का अभाव पहली बार इतनी तीव्रता से महसूस हुआ।

पर उन्होंने अपनी कमी को शिकायत नहीं बनाया। उनके मन में एक संकल्प जन्मा— "मैं पढ़ नहीं सका, लेकिन मेरे गाँव के बच्चों को पढ़ने से वंचित नहीं रहना चाहिए।"

कमाई बहुत कम थी। फिर भी वे रोज थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाने लगे। लोग उनके सपने पर हँसे, किसी ने उन्हें समझाया कि संतरे बेचकर भला स्कूल कैसे बनेगा। लेकिन हजब्बा अपने संकल्प से पीछे नहीं हटे।

उन्होंने अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और समाज के लोगों से मदद माँगी। वर्षों की मेहनत के बाद वर्ष 2000 में लगभग 20 बच्चों के साथ स्कूल की शुरुआत हुई। आगे चलकर भूमि और भवन के लिए उन्होंने लगातार प्रयास किए और गाँव में एक सरकारी विद्यालय आकार ले सका।

जिस व्यक्ति को जीवन में पहला अक्षर सीखने का अवसर नहीं मिला था, उसने सैकड़ों बच्चों के लिए अक्षरों की पूरी दुनिया खोल दी।

उनके इस असाधारण प्रयास को 2020 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

हरेकला हजब्बा की कहानी बताती है कि शिक्षा का दीप जलाने के लिए बड़ी संपत्ति नहीं, बड़ा संकल्प चाहिए।

प्रेरक सीख: जिसे शिक्षा का उजाला स्वयं नहीं मिला, यदि वह दूसरों के लिए शिक्षा का दीप जला दे—तो उसका जीवन ही सबसे सुंदर पाठ बन जाता है।

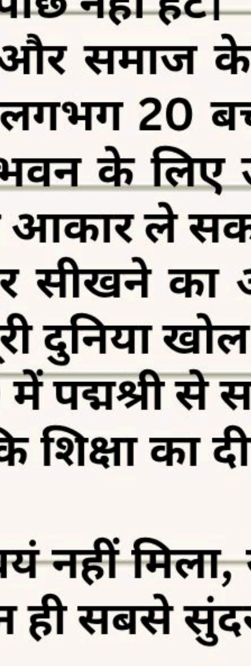

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अभिभावक की भूमिका

(शिक्षक दिवस के अवसर पर सभी शिक्षाविदों, अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं के लिए संदेश)

"मैं एक सरकारी शिक्षक हूँ। मेरा चयन वर्ष 2000 में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा हुआ। प्रथम पदस्थापन अत्यंत दुर्गम क्षेत्र में हुआ, जहाँ आने-जाने के नाम पर कच्ची, निजी सवारी ही एकमात्र जरिया थी, दुर्गम रास्ते और उस पर डाकुओं का डर। फिर भी स्थानीय शिक्षकों, स्थानीय अभिभावकों और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी महोदय का पूरा सहयोग मिला। उस समय सरकारी विद्यालयों की दशा अच्छी नहीं थी। बहुत कम ही विद्यालय ऐसे थे जिनके पक्के भवन थे, परंतु स्थानीय लोगों का बहुत सहयोग मिला।

वर्ष 2017 में मेरी प्रोन्नति प्रधानाध्यापक के पद पर हुई। आज 26 वर्षों के लंबे अनुभव के पश्चात मैंने पाया कि 2000 से 2017 तक सरकारी विद्यालयों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी — कहीं भवन का अभाव था तो कहीं भूमि या। यदि भूमि और भवन थे तो पर्याप्त शिक्षक नहीं थे। उस समय विद्यालय विकास के नाम पर मिलने वाली राशि भी पर्याप्त नहीं थी। परंतु विगत दशक में सरकारी विद्यालयों की दशा और दिशा, दोनों में सुधार हुआ है। बिहार सरकार द्वारा शिक्षा को बदहाली से उबारने के काफी प्रयास किए जा रहे हैं — पक्के और चहारदीवारी युक्त विद्यालय भवन, सभी पंचायतों में +2 स्तर तक की शिक्षा, सार्वजनिक पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, अटल टिंकरिंग लैब, आईसीटी और स्मार्ट क्लास के साथ-साथ बड़े पैमाने पर विषय-विशेष शिक्षकों की बहाली — यह इस बात का संकेत है कि सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने हेतु कमर कस चुकी है।

सरकारी विद्यालयों के बारे में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि इन विद्यालयों में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं। इनके लिए सरकार द्वारा कक्षा 1 से 8 तक के सभी बच्चों को दोपहर का भोजन दिया जाता है। विगत दो वर्षों से निःशुल्क पुस्तकें, स्कूल बैग तथा पानी की बोतलें भी दी जा रही हैं। विद्यालय पोशाक एवं साइकिल, छात्रवृत्ति योजना तो वर्षों से लागू है। सरकार के इन प्रयासों से सरकारी विद्यालयों की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। शिक्षक पूरे मनोयोग से पढ़ा रहे हैं, प्रतिदिन श्यामपट पर पाठ्यवार प्रश्नोत्तर लिखवाए जा रहे हैं। इन सब प्रयासों के बावजूद आज भी हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लक्ष्य से कुछ दूर हैं।

इन बातों पर जब मैं विचार करता हूँ तो पाता हूँ कि बच्चे के विकास हेतु जो पहला संस्थान हमारे यहां है — अभिभावक — वे कहीं न कहीं आज भी अपने ही पाल्यों के विकास के प्रति उदासीन हैं। हालांकि अभिभावकों को जागरूक करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं; अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी इसका ज्वलंत उदाहरण है। परंतु बच्चों का नियमित विद्यालय न आना, कुछ बच्चों द्वारा गृहकार्य पूरा न कर पाना, अभिभावकों की इसी उदासीनता को दर्शाता है। सरकार, विभाग एवं शिक्षक/प्रधानाध्यापक इसके लिए काफी प्रयास कर रहे हैं, बहरहाल अभिभावक कब तक सरकारी विद्यालयों और अपने पाल्यों के प्रति पूर्ण रूप से जागरूक हो पाएँगे, यह तो वक्त ही बताएगा। तब तक प्रयास जारी रहेगा।

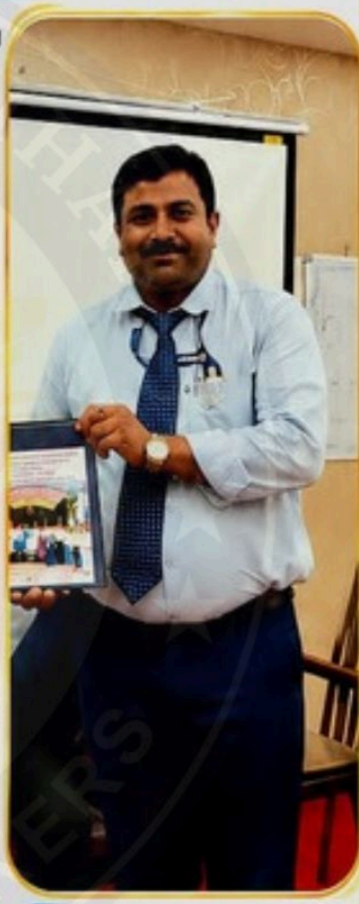

"अंत में, शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर सभी शिक्षकों को समर्पित —

गुरू गोविंद दोउ खड़े,
काके लागूं पाँय।
बलिहारी गुरू आपनो,
गोविंद दियो बताय॥"

कौशल कुमार वर्मा
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि. अहवर शेख
मझौलिया, प. चंपारण

आइए, हम सब मिलकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का संकल्प लें और अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य में सहभागी बनें।

शिक्षा | अभिभावक | छात्र-छात्राएँ

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

> सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

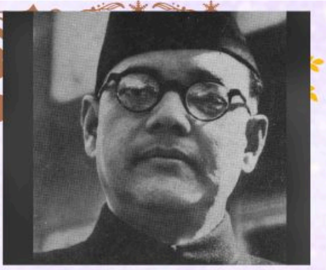

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

'नेताजी' सुभाष चंद्र बोस

प्यारे बच्चों, जब हम सब मिलकर पूरे जोश से नारा लगाते हैं—'जय हिंद!', तो क्या आपको पता है कि यह प्यारा नारा हमें किसने दिया था? यह अमर उद्घोष हमें दिया था एक ऐसे वीर सेनानी ने, जिनका नाम सुनते ही हमारा सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है और जिन्हें पूरी दुनिया आदर से 'नेताजी' पुकारती है। नेताजी का पूरा नाम सुभाष चंद्र बोस था। उनका जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक शहर में हुआ था। उनके पिता श्री जानकीनाथ बोस एक विख्यात और ईमानदार वकील थे, जबकि उनकी माता श्रीमती प्रभावती देवी अत्यंत धार्मिक, स्नेहमयी और दृढ़ विचारों वाली महिला थीं। चौदह भाई-बहनों के बड़े परिवार में पले नन्हे सुभाष बचपन से ही बड़े संवेदनशील, शांत और पढ़ाई में सबसे आगे रहने वाले छात्र थे।

नन्हे सुभाष के कोमल मन में बचपन से ही गरीबों और असहायों की मदद करने की अद्भुत भावना थी। जब कटक शहर में हैजा फैला और लोग भय से भागने लगे, तब नन्हे सुभाष ने बिना अपनी जान की परवाह किए बीमारों की सेवा की और उन तक दवाइयाँ पहुँचाईं। पढ़ाई में वे इतने होशियार थे कि उन्होंने कोलकाता से उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद सात समंदर पार इंग्लैंड जाकर उस समय की सबसे कठिन प्रशासनिक परीक्षा 'आईसीएस' पूरे देश में चौथे स्थान के साथ पास की। उस ज़माने में यह बहुत ऊँचे ओहदे और राजसी ठाठ-बाट वाली नौकरी थी। परंतु सुभाष बाबू ने सोचा कि जिस अंग्रेज़ी हुकूमत ने मेरी भारत माता को गुलाम बना रखा है, मैं उसकी चाकरी कैसे करूँ? उन्होंने तुरंत उस बड़ी नौकरी से इस्तीफा दे दिया और अपनी पूरी ज़िंदगी देश की सेवा में समर्पित कर दी।

भारत लौटकर वे स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। वे स्वामी विवेकानंद और देशबंधु चित्तरंजन दास के विचारों से गहरे प्रेरित थे। अंग्रेज़ सरकार उनके प्रभाव से इतना डरती थी कि उन्हें बार-बार जेल में डाल देती थी। एक बार जब अंग्रेज़ों ने उन्हें कोलकाता में उन्हीं के घर में कड़े पहरे के बीच नज़रबंद कर दिया, तो सुभाष बाबू ने एक अनोखी तरकीब निकाली। उन्होंने एक लंबा चोगा पहना, बड़ी दाढ़ी रखी और मौलवी जियाउद्दीन का वेश बनाकर रात के अंधेरे में अंग्रेज़ पहरेदारों की आँखों में धूल झोंकते हुए चुपचाप निकल गए। वे काबुल और रूस के रास्ते होते हुए जर्मनी और जापान पहुँचे।

विदेश की धरती पर पहुँचकर उन्होंने हज़ारों भारतीय सैनिकों को जोड़कर 'आज़ाद हिंद फौज' का गठन किया। महिलाओं के भीतर अदम्य साहस जगाने के लिए उन्होंने 'रानी झांसी रेजिमेंट' भी बनाई, जिसकी कमान कैप्टन लक्ष्मी सहगल के हाथों में थी। नेताजी ने सैनिकों को 'दिल्ली चलो' का जोशीला आह्वान किया और पूरी दुनिया को ललकारते हुए कहा—"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा!" नेताजी का पूरा जीवन हमें सिखाता है कि चाहे राह में कितनी भी बड़ी बाधाएँ आएँ, हमें कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और मातृभूमि के सम्मान के लिए सदैव आगे रहना चाहिए।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org